ओ मन बड़ो जबर रे संता भजन लिरिक्स

ओ मन बड़ो जबर रे संता,
जिनके काम पड़े इन मन से,
वाको पूरी खबर रे संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।bd।

ओ मन मारो उड़ आकाशा,
बिना फाख बिना पर र संता,
लाख कोस की सूरत लगावे,
सांधे पाल अधर र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।bd।

ओ मन मारो माया संग डोले,
फीरथो फिर घर घर र संता,
सो वर्षा को नियम लगावे,
पथो नी चले पल र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।bd।

सब दुनिया न नाच नचाव,
सब के गाली तर र,
ज्ञानीध्यानी मिल पकड़ पचाटियो,
कर दिनू सिधो सर र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।bd।

मन न मार सूरथा न डा टे,
वहीं पूरा फखद र संता,
केव कबीर सुनो भाई साधो,
पवोला निज घर र संता,
ओ मन बड़ों जबर रे।bd।

ओ मन बड़ो जबर रे संता,
जिनके काम पड़े इन मन से,
वाको पूरी खबर रे संता,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ मन बड़ों जबर रे।bd।

गायक – सुखदेव जी महाराज कुचेरा।
प्रेषक – महेंद्र परिहार देवला।
6367514884

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com